

जब-जब धरती बोझ से काँपी  
नारायण ने जनम लिया  
मारे असुर महाबल शाली  
भक्तों का उद्धार किया  
भक्तों पे उपकार किया

बोलो रामऽऽऽ बोलो रामऽऽऽ

बोलो राम-राम-राम

बोलो श्यामऽऽऽ बोलो श्यामऽऽऽ

बोलो श्याम-श्याम-श्याम

त्रेता में प्रभु राम बने और द्वापर के धनश्याम  
दया बरसती हर पल इनकी करुणा आठों धाम  
चरणों में श्री धाम

बोलो रामऽऽऽ बोलो रामऽऽऽ

बोलो-राम-राम-राम

बोलो श्यामऽऽऽ बोलो श्यामऽऽऽ

बोलो श्याम-श्याम-श्याम

जब-जब धरती-----

प्रेम भाव से इन्हे पुकारे सबको ये अपनाते हैं  
दीन दुखी के दुखड़े हरते सबको गले लगाते हैं  
प्यार से रह दिखाते हैं

बोलो-रामऽऽऽ बोलो रामऽऽऽ

बोलो राम-राम-राम

बोलो श्यामऽऽऽ बोलो श्यामऽऽऽ

बोलो श्याम-श्याम-श्याम

जब-जब धरती-----



दिव्य ज्ञान की ज्योत जला करी हित करते हैं हितकारी  
 कठिन घड़ी में दौड़ लगा कर धर्म बचाते धनुधारी  
 अपना बनाते धनुधारी

बोलो राम ॐ राम ॐ राम ॐ राम

बोलो राम-राम-राम

बोलो श्याम ॐ श्याम ॐ श्याम ॐ श्याम

बोलो श्याम-श्याम-श्याम

जब-जब धरती-----

सत्य प्रताड़ित हुआ धरा पर  
 देख रहे हो त्रिपुरारी  
 जोड़े हाथ "श्री बाबा श्री" खड़े हैं  
 माता भक्ति भी हारी  
 आज फसी मेरी बारी  
 बाबा आज फसी मेरी बारी

बोलो राम ॐ राम ॐ राम ॐ राम

बोलो राम-राम-राम

बोलो श्याम ॐ श्याम ॐ श्याम ॐ श्याम

बोलो श्याम-श्याम-श्याम

जब-जब धरती-----